Series LRH/2

Code No. कोड नं. **3/2/1**

Roll No. रोल नं. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

HINDI
हिन्दी
(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

निर्देश : *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

स्वार्थ-प्रेरणा के बिना जीवन में कोई क्रिया-व्यापार संभव नहीं होता, इसलिए इस स्वार्थ-भावना को सर्वथा हेय ठहरा देना स्वार्थ शब्द को सीमित रूप में ग्रहण करना है । जिस राष्ट्र से हम प्रेम करते हैं वह क्या है ? एक विशेष भू-खंड है या विशिष्ट रूप-रंग,

स्वभाव और आकृति वाले मानवों का समुदाय । सामान्य व्यवहार में देश एक विशाल भू-भाग की संज्ञा है । जब हम अपने सुख-दुख को देश की फैली हुई सीमाओं में व्याप्त देखने लगते हैं, हमारे स्वार्थ का विस्तार हो जाता है और हम अपने गाँव, नगर, प्रांत की सीमाओं का अतिक्रमण कर देश तक अपने को फैला हुआ पाते हैं । यहीं से हमारे भीतर राष्ट्रीयता का उदय होता है । इस राष्ट्रीयता का स्थूल आधार है देश का फैलाव और सूक्ष्म आधार है सांस्कृतिक मान्यताओं का विस्तार । जब कभी राष्ट्र पर संकट आता है तब भौगोलिक सीमाओं की सुरक्षा का बाह्य रूप से तथा सांस्कृतिक एकता की रक्षा का आभ्यन्तर रूप से प्रयत्न देखा जाता है । राष्ट्र-रक्षा के प्रयत्नों को हम राष्ट्र-प्रेम की अभिव्यक्ति मानते हैं । यह अभिव्यक्ति युद्ध, संगठन, आत्म-त्याग, कलात्मक सर्जन आदि कार्यों द्वारा होती है । साधारणतः राष्ट्रीय एकता का आधार हम किसी देश की भूमि और निवासियों की जीवन-पद्धति की एकता को मानते हैं । अरस्तू ने राष्ट्र की एकता का आधार शासन-व्यवस्था की एकता को माना है । कहने का तात्पर्य यह कि राष्ट्र-प्रेम का आधार भूमि या संस्कृति न होकर शासन-पद्धति है । इसका एक उदाहरण हिन्दुस्तान है । स्वतंत्रता-प्राप्ति के समय देश का विभाजन हुआ । सहस्राब्दियों का पुराना देश अपनी भूमि पर ही विखंडित हुआ और हिन्दुस्तान-पाकिस्तान नाम से दो देश अस्तित्व में आए । कराची, ढाका, लाहौर जैसे पुराने नगर, जिनके साथ भारतीयों का देश-प्रेम शताब्दियों से जुड़ा आ रहा था — हिन्दुस्तान से पृथक् कर दिए गए । फलतः इन नगरों के प्रति भारतीयों का देश-प्रेम नहीं रहा, क्योंकि उस देश की शासन-व्यवस्था हमारे देश की शासन-व्यवस्था से भिन्न हो गई । अतः उस देश की राष्ट्रीयता भी हमसे भिन्न बन गई । देश के बँटवारे के साथ ही जैसे राष्ट्र-प्रेम भी विभाजित हो गया । इससे स्पष्ट है कि राष्ट्र-प्रेम या राष्ट्रीयता में चिरंतनता नहीं रहती । भौगोलिक सीमा, शासन-व्यवस्था और विचार-धारा में परिवर्तन आने पर देश-भक्ति की धारणा में भी परिवर्तन होता है, इसलिए राष्ट्र-प्रेम का मूलाधार स्वार्थ-भावना ही ठहरती है । राष्ट्रीयता में 'स्व' का मोह निहित है, अतः 'परत्व' की पारस्परिकता का उदय संभव नहीं । राष्ट्रवाद में न तो 'पूरी वसुधा हमारा कुटुम्ब है' की भावना है और न विश्व-प्रेम की भावना है ।

(i) स्वार्थ-भावना को हेय क्यों नहीं ठहराया जा सकता ? *1*

(ii) आपके विचार से राष्ट्र क्या है ? *1*

(iii) स्वार्थ के विस्तार से क्या तात्पर्य है ? यह हमें देश-प्रेम से कैसे जोड़ता है ? *2*

(iv) लेखक ने राष्ट्रीयता के आधार किन्हें माना है ? *1*

(v) राष्ट्र के संकट के क्षणों में देशवासी क्या करते हैं ? *1*

(vi) राष्ट्र-प्रेम की भावना में चिरंतनता क्यों नहीं रहती ? *1*

(vii) 'राष्ट्रीयता में 'स्व' का मोह निहित है,' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । *1*

(viii) निम्नलिखित के समानार्थी बताइए : *1*

समुदाय, संकट ।

(ix) निम्नलिखित के विपरीतार्थी बताइए : *1*

स्वार्थ, विशिष्ट ।

(x) 'भौगोलिक' तथा 'विखंडित' शब्दों के प्रत्यय और उपसर्ग अलग कीजिए । *1*

(xi) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

क्या कवि-योगी नए प्रयोगों में उलझेगा,
कथाकार क्या व्यथा देश की नहीं पढ़ेगा ?
नाट्यकार क्या पर-मंचों पर ही भटकेगा,
मूर्तिकार, क्या नहीं शौर्य की मूर्ति गढ़ेगा ?
अग्नि-मुखी आदित्य राष्ट्र का सुप्त पड़ा क्यों,
तूर्यनाद करता क्या रथ पर नहीं चढ़ेगा ?
राणा और शिवाजी के पथ का आरोही,
क्या उपवन में भटक सुमन ही चुना करेगा ?
क्या गांधी का पुत्र, आँधियों में घबराकर,
घिरी घटा को देख-देख सिर धुना करेगा ?
क्या तोपों की तड़क, शत्रु के बम की धमकी,

सुमनों की शैया पर सोया सुना करेगा ?
प्रश्न नहीं, यह अग्नि-प्रश्न है मुक्त राष्ट्र से,
कोटि-कोटि सिंहों की माता है अकुलाई;
हिमकिरीट कंपित है, जलनिधि तड़प रहा है,
सीमा के उस पार शत्रु लेता अँगड़ाई;
भेदभाव को भूल, स्वार्थ की डोर तोड़ कर,
क्या जागेगी, भारत की सोई तरुणाई ?

(i) कवि किनको उनके दायित्वों की याद दिला रहा है ?

(ii) कविता में 'अग्निमुखी आदित्य' किसको कहा गया है ? उसको किस बात की याद दिलाई जा रही है ?

(iii) काव्यांश में महापुरुषों का उल्लेख क्यों किया गया है ?

(iv) देश में व्याकुलता का क्या कारण है ? उससे नवयुवक कैसे जूझ सकते हैं ?

अथवा

अब जब तुम नहीं रहे —
मैंने अपने ड्राइंग-रूम में,
तुम्हारा एक चित्र टाँगा है,
तुम्हारी स्मृति में
एक कविता लिखी है,
ताकि लोग समझें
कि मैं तुम्हारे काफ़ी नज़दीक था,
ताकि लोग जानें
तुम्हारे चले जाने से
मेरे अंतर में
एक 'वैक्यूम' हो गया है
जो शायद ही कभी भरे,

शायद ही कभी भरे !
(यह भला कौन जानता है
कि तुम्हारे जीते-जी
मैंने तुम्हारी कोई रचना नहीं पढ़ी,
यह भला कौन जानता है
कि तुम्हारे रहते
तुम से मिलने को
मेरा मन नहीं किया ।)

(i) कवि ने दिवंगत की स्मृति में क्या-क्या किया है और क्यों ?

(ii) अंतर के 'वैक्यूम' से क्या आशय है ? कवि को क्यों लगता है कि वह भरा नहीं जा सकता ?

(iii) दिवंगत के जीते-जी उसके प्रति कवि का व्यवहार कैसा था ?

(iv) कविता संसार के किस यथार्थ को रेखांकित कर रही है ?

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : *10*

(क) नदी की आत्मकथा — बाल्यावस्था, घर से बाहर निकलने की आतुरता, पिता की गोद का परित्याग, विभिन्न बाधाओं से टकराहट, समतल मैदान, किसान आदि का उपकार, नगरों में मेरा अंग-अंग दूषित, समुद्र-मिलन ।

(ख) मेरी पहली हवाई यात्रा — कब और क्यों, कहाँ से कहाँ तक, हवाई अड्डे का दृश्य, वायुयान में बैठने की आतुरता, बैठने से पूर्व और बाद की औपचारिकताएँ, वायुयान के अन्दर और बाहर का दृश्य, मन पर प्रभाव ।

(ग) भ्रष्टाचार — भ्रष्टाचार क्या है, व्यापक क्षेत्र, विभिन्न रूप, कारण, समाधान के उपाय, सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर रोकने के प्रयास ।

4. आपके एक अध्यापक प्रख्यात कथाकार हैं । आप उनकी रचनाओं को बहुत चाव से पढ़ते हैं । पत्र द्वारा उनसे अनुरोध कीजिए कि वे हाल ही में प्रकाशित अपने उपन्यास की एक प्रति आपको प्रेषित करें । 5

अथवा

'मदर डेयरी' / 'अमुल डेयरी' के वाणिज्य-प्रबंधक को पत्र लिखकर अपने मोहल्ले में एक 'मिल्क बूथ' खोलने के लिए अनुरोध कीजिए ।

खण्ड ग

5. (क) क्रियापद छाँटकर उनके भेद भी लिखिए : 2

(i) वह समझ नहीं पाया ।

(ii) वर्षा का पानी उसके घर में भर गया ।

(ख) दो अव्यय पद पहचानकर उनके भेद लिखिए : 2

(i) छिः ! छिः ! तुमने अपने कुल को लजा दिया ।

(ii) रोने के अतिरिक्त उसका दूसरा सहारा नहीं है ।

6. निम्न रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : 2

ये <u>बच्चे</u> बहुत <u>भोले-भाले</u> हैं ।

7. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए : 3

(i) केवल भाग्य में विश्वास करने वाले को सफलता नहीं मिलती । (मिश्र वाक्य में)

(ii) हमने उत्तरांचल में प्रवेश किया और हमारा मन प्रफुल्लित हो उठा । (सरल वाक्य में)

(iii) बिस्मिल्ला खाँ चुपचाप बैठकर शहनाई बजाने लगे । (संयुक्त वाक्य में)

8. निर्देशानुसार वाच्य बदलिए : 3

(i) हम यह काम नहीं करेंगे । (कर्मवाच्य में)

(ii) चलो, अब सोते हैं । (भाववाच्य में)

(iii) बहुत सी ज़रूरतें आसान बनाई गईं । (कर्तृवाच्य में)

9. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों का नामोल्लेख कीजिए : *3*

(i) मतवारे सब ह्वै, रहे, मतवारे मन माँहि ।

(ii) भवजल में मैं कमल हूँ ।

(iii) पहेली-सा जीवन है व्यस्त ।

खण्ड घ

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×3=6*

मन की मन ही माँझ रही ।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही ।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही ।
अब इन जोग संदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही ।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही ।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही ॥

(i) 'मन की मन ही माँझ रही' पंक्ति का भाव स्पष्ट करते हुए बताइए कि गोपियाँ अपने मन के भाव क्यों नहीं कह पाईं ।

(ii) वे विरह-व्यथा को क्यों सहती रहीं ? अब वह व्यथा उनके लिए दाहक क्यों हो रही है ?

(iii) गोपियों के लिए अब धैर्य धारण करना कठिन क्यों हो गया है ?

अथवा

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया ।
प्रभुता का शरण-बिम्ब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है ।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन —

(i) कवि को सांसारिक उपलब्धि और समृद्धि से विरक्ति क्यों हो गई है ?

(ii) 'प्रभुता का शरण-बिम्ब केवल मृगतृष्णा है' काव्यांश का आशय समझाइए ।

(iii) 'चंद्रिका' और 'रात कृष्णा' किस अर्थ के व्यंजक हैं ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** के उत्तर दीजिए : *3×3=9*

(क) परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की प्रतिक्रियाओं के आधार पर दोनों के स्वभाव की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी है ?

(ग) संगतकार जैसा व्यक्ति संगीत के अलावा सांसारिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में एक निष्ठावान मित्र की भूमिका निभाता है — 'संगतकार' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(घ) 'फ़सल' कविता में फ़सल उपजाने के लिए किन तत्त्वों को आवश्यक माना गया है ?

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

फटिक सिलानि सौं सुधार्‌यौ सुधा मंदिर,
उदधि दधि को सो अधिकाइ उमगे अमंद ।
बाहर ते भीतर लौं भीति न दिखैए 'देव',
दूध को सो फेन फैल्यो आँगन फरसबंद ।
तारा-सी तरुनि तामें ठाढ़ी झिलमिली होति
मोतिन की जोति मिल्यो मल्लिका को मकरंद ।
आरसी से अंबर में आभा-सी उजारी लगै,
प्यारी राधिका को प्रतिबिंब सो लगत चंद ॥

(i) काव्यांश के छन्द का नाम लिखिए ।

(ii) यह पद्यांश किस भाषा में रचा गया है ?

(iii) काव्यांश में चंद्रिका के सौन्दर्य को किस प्रकार चित्रित किया गया है ?

(iv) कविता से उपमा अलंकार का एक उदाहरण लिखिए ।

(v) अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण चुनकर लिखिए ।

अथवा

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रही पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी ।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास ।
तब भी कहते हो — कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती ।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे यह गागर रीती ।।

(i) 'मुरझाकर गिर रही पत्तियाँ' किस भाव की व्यंजक हैं ?

(ii) अभावपूर्ण जीवन के लिए काव्यांश में कौन-सा बिम्ब प्रयुक्त हुआ है ?

(iii) 'नीलिमा' के लिए प्रयुक्त विशेषणों का सौंदर्य बताइए ।

(iv) कविता की भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(v) प्रथम पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×3=6*

गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया । सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ । नवाबी आदतें, अधूरी महत्त्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती थरथराती रहती थी । 'अपनों' के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते ।

(i) 'व्यक्तित्व के सकारात्मक पहलुओं' से लेखिका का क्या आशय है ?

(ii) सिकुड़ती आर्थिक स्थिति ने लेखिका के पिताजी को किस रूप में प्रभावित किया ?

(iii) लेखिका के पिता क्रोधी और शक्की स्वभाव के क्यों हो गए थे ?

अथवा

अपने ऊहापोहों से बचने के लिए हम स्वयं किसी शरण, किसी गुफ़ा को खोजते हैं, जहाँ अपनी दुश्चिंताओं, दुर्बलताओं को छोड़ सकें और वहाँ से फिर अपने लिए एक नया तिलिस्म गढ़ सकें । हिरन अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में उस वरदान को खोजता है जिसकी गमक उसी में समाई है । अस्सी बरस से बिस्मिल्ला खाँ यही सोचते आए हैं कि सातों सुरों को बरतने की तमीज़ उन्हें सलीक़े से अभी तक क्यों नहीं आई ।

(i) 'ऊहापोह' शब्द का क्या अर्थ है ? किसी की शरण और गुफ़ा को खोजने के पीछे व्यक्ति का क्या प्रयोजन होता है ?

(ii) हिरन जंगल में किसकी खोज करता है ? उसकी खोज व्यक्ति को क्या संदेश देती है ?

(iii) बिस्मिल्ला खाँ के संदर्भ में हिरन का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** के उत्तर दीजिए : *3×3=9*

(क) 'संस्कृति' पाठ के लेखक के अनुसार संस्कृति और असंस्कृति क्या है ? उदाहरण देकर समझाइए ।

(ख) पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृत भाषा में बोलना उनके अपढ़ होने का प्रमाण नहीं है । 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए ।

(ग) फ़ादर बुल्के संन्यासी होकर भी ममता और अपनत्व के गुणों के कारण एक निर्लिप्त सांसारिक थे — 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जिनसे यह सिद्ध होता है कि वे समाज में प्रचलित कुछ मान्यताओं में विश्वास नहीं रखते थे ।

15. (क) हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुककर नेताजी की प्रतिमा को क्यों निहारते थे ? एक बार नेताजी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा देखकर उनकी आँखें क्यों भर आईं ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ को दृष्टि में रखते हुए उत्तर दीजिए । *3*

(ख) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के नवाब साहब के विषय में पढ़कर आपके मन में कैसे व्यक्ति का चित्र उभरता है ? *2*

16. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर दीजिए : *4*

(क) 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालिए ।

(ख) 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर ऐसे दो प्रसंगों का वर्णन कीजिए जो आपके दिल को छू गए हों ।

17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** के उत्तर दीजिए : *2×3=6*

(क) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा !' पाठ की दुलारी और टुन्नू ने भारत के स्वाधीनता आंदोलन में अपना योगदान किस प्रकार किया ?

(ख) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ आपको विज्ञान का दुरुपयोग रोकने में कैसे प्रेरित करता है ?

(ग) 'साना साना हाथ जोड़ि...' पाठ के आधार पर बताइए कि प्रकृति के अनंत और विराट स्वरूप को देखकर लेखिका को कैसी अनुभूति हुई ।

(घ) जॉर्ज पंचम की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या-क्या यत्न किए ?